सीखने की संप्राप्ति

आधारित

प्रश्न-कोश

आठवीं कक्षा के लिए

आमुख

सीखने की संप्राप्ति आधारित प्रलेख

बच्चा विद्यालय में प्रवेश करने से पूर्व अपने निजी अनुभव, परिवेश व विचार से अपनी भाषा गढ़ता है। इस गढ़ी भाषायी पूँजी को विद्यालयीय स्तर पर उपयोग कर, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के अन्तर्गत भाषा के चारों कौशल अर्थात् श्रवण-वाचन-पठन-लेखन के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के तत्त्वाधान में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अन्तर्गत निर्धारित पु 2005स्तकों पर आधारित उपलब्धि परीक्षण, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के सरलीकरण, शिक्षार्थी से वाञ्छित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सीखने की सम्प्राप्तियाँ कक्षावार निर्धारित की गई हैं। यह प्रलेख राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार) के विद्यालयीय शिक्षा के गुणात्मक सुधार की निरन्तरता में सीखने की सम्प्राप्ति आधारित एक प्रयास है।

प्रलेख सम्बन्धी विवरण :

१. यह प्रलेख कक्षा प्रथम से आठवीं के लिए निर्धारित हिन्दी पाठ्यक्रम से सम्बन्धित है।
२. यह प्रलेख कक्षा प्रथम से आठवीं के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यानगत कर, सीखने की सम्प्राप्तियों पर आधारित हैं।
३. इसे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सरल करने व छात्र केन्द्रित बनाने के उद्देश्य को दृष्टिगत कर सृजित किया गया है।
४. प्रत्येक अध्याय के प्रारम्भ में सम्बन्धित सीखने की सम्प्राप्तियाँ टंकित की गई हैं।
५. इस प्रलेख की विषय-वस्तु, सीखने की सम्प्राप्तियों हेतु सुझावात्मक प्रारुप है। अध्यापक अपने स्तर पर इस सातत्यता/निरन्तरता में निजी प्रयास हेतु स्वतन्त्र है।
६. इसकी संरचना तर्कसंगत और तथ्यपूर्ण है।
७. इस प्रलेख संरचना में स्व-स्व मतिभिन्न विषयक, व्याकरणिक त्रुटि सम्भव है तथा त्रुटिजन्य सुझाव जो सुधीजनों से अपेक्षित, इस प्रलेख को और भी परिमार्जित करने में सहायक सिद्ध होंगे।
८. इस प्रलेख के परिमार्जन में आपके मूल्यवान सुझाव व टिप्पणियाँ, इसके आगामी संस्करण की उत्कृष्टता व गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रलेख सृजन समिति

विषय : **हिन्दी (सीखने की सम्प्राप्ति आधारित प्रलेख)** कक्षा : **पहली से आठवीं**

मुख्य समन्वयक : **श्रीमती रंजना श्रीवास्तव**
प्राचार्या, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 8, चण्डीगढ़

सृजन समिति : **सुदेश वधावन**
संकुल संसाधक समन्वयक, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
सैक्टर – 45, चण्डीगढ़

गायत्री सांगवान
संकुल संसाधक समन्वयक, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
रायपुर खुर्द, चण्डीगढ़

अंजू ठाकुर
संकुल संसाधक समन्वयक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
सैक्टर – 38 (वैस्ट), चण्डीगढ़

बृज रानी
शिक्षिका, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चण्डीगढ़

दिनेश चन्द्र
शिक्षक, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सैक्टर – 12, चण्डीगढ़

जसविन्दर कौर
शिक्षिका, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 22 ए,
चण्डीगढ़

गजराज सिंह
शिक्षक, राजकीय उच्च विद्यालय, सैक्टर – 53, चण्डीगढ़

राकेश दहिया
शिक्षक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 38 (वैस्ट),
चण्डीगढ़

राजकुमार
शिक्षक, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सैक्टर – 12, चण्डीगढ़

साधना
शिक्षिका, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 8, चण्डीगढ़

अजीत
शिक्षक, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चण्डीगढ़

पीयूष अग्रवाल
शिक्षक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 28, चण्डीगढ़

सहयोग : **श्री सत्यवान**
शिक्षक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर – 8, चण्डीगढ़

कक्षा - 8
हिन्दी

क्रमांक	पाठ सूची	पृष्ठ संख्या
1.	सीखने की संप्राप्ति	6
2.	ध्वनि	10
3.	लाख की चूड़ियाँ	12
4.	बस की यात्रा	13
5.	दीवानों की हस्ती	15
6.	चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	16
7.	भगवान के डाकिए	18
8.	क्या निराश हुआ जाए	19
9.	यह सब से कठिन समय नहीं	21
10.	कबीर की साखियाँ	23
11.	कामचोर	24
12.	जब सिनेमा ने बोलना सीखा	26
13.	सुदामा चरित	27
14.	जहाँ पहिया है	28
15.	अकबरी लोटा	30
16.	सूरदास के पद	32
17.	पानी की कहानी	34
18.	बाज और साँप	36
19.	टोपी	38
20.	उपलब्धि पत्रक	39

H801. विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे – पाठ्पुस्तक में किसी पक्षी के बारे पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।

H802. हिंदी भाषा मे विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।

H803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

H804. अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं।

H805. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारें में मौखिक /सांकेतिक भाषा में बताते हैं।

H806. विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/ विषयों, जैसे-जाति, धर्म, रंग,जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।

H807. किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे-अपने आस- पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं -रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती?

H808. विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण,निबंध,व्यंग्य,आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।

H809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

H810. विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

H811. कहानी, कविता को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक,प्रकृति चित्रण आदि।

H812. विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।

H813. इसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे – शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते है।

H8114. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से

लिखते हैं।

H815. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।

H816. भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।

H817. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फ़िर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।

H818. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।

H819. दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/ स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।

H820. विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे- कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।

H821. अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।

H822. अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि।

H823. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।

विषय- हिन्दी

कक्षा- आठवीं

मास	पाठयक्रम	सीखने की संप्राप्ति
अप्रैल	पाठ -1 ध्वनि	H803, H808, H811, H816, H822
	पाठ-2 लाख की चूड़ियाँ	H803, H807, H808, H809, H818, H820
मई	पाठ-3 बस की यात्रा	H802, H804, H8012, H8013, H8020
	पाठ-4 दीवानों की हस्ती	H803, H808, H809, H816, H819, H823
	पाठ-5 चिट्ठियाँ की अनूठी दुनिया	H802, H805, H810, H813, H819
जुलाई	पाठ-6 भगवान के डाकिए	H801, H803, H809, H811, H812, H813
	पाठ-7 क्या निराश हुआ जाए	H803, H805, H808, H809, H810, H815, H818
अगस्त	पाठ-8 यह सबसे कठिन समय	H803, H805, H808, H809, H814, H816, H818
	पाठ-9 कबीर की साखियाँ	H803, H806, H807, H809, H818
अक्तूबर	पाठ-10 कामचोर	H807, H811, H822, H823
	पाठ-11 जब सिनेमा ने बोलना सीखा	H802, H808, H809, H814, H819, H821
नवम्बर	पाठ-12 सुदामा चरित	H804, H807, H809, H814, H816, H818, H819, H822
	पाठ-13 जहाँ पहिया है	H803, H806, H807, H814, H818
दिसम्बर	पाठ-14 अकबरी लोटा	H805, H811, H814, H822
	पाठ-15 सूर के पद	H804, H811, H816
जनवरी	पाठ-16 पानी की कहानी	H802, H803, H806, H808, H818

	पाठ-17 **बाज और साँप**	H803, H805, H808, H822
	पाठ-18 **टोपी**	H803, H806, H808, H809, H820
फ़रवरी	दोहराई (पुनरावृत्ति)	

कक्षा 8

1- ध्वनि

सीखने के संप्राप्ति : H803, H808, H811, H816, H822

प्रश्न 1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे मन में मृदुल वसंत-
अभी न होगा मेरा अंत।
हरे-हरे यह पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न – मृदुल – कर
फेरुँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।

i) 'मन में मृदुल वसंत' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

ii) कवि के जीवन में बसंत के आने से क्या होगा?

iii) 'मृदुल' शब्द का अर्थ लिखें।

iv) 'प्रत्यूष' का पर्यायवाची लिखें।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें -

i) कविता के माध्यम से कवि किन्हें उत्साहित करना चाहता है?

ii) कवि ने अपने जीवन की तुलना बसंत से क्यों की है?

प्रश्न 3. काव्यांश का सरलार्थ लिखें-

आ गया वसंत है, छा गया वसंत है
खेल रही गौरैया सरसों की बाल से
मधुमती गंध उठी अमवा की डाल से
अमृत रस छोड़ रही झुरमुट से बोल रही
बोल रही कोयलिया ....
आ गया वसंत, छा गया बसंत
नया-नया रंग लिए आ गया मधुमास है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण चुनकर भेद लिखें -

i) भारत में अनेक ऋतुए समय-समय पर आती हैं।

ii) मैंने डाल पर लाल गुलाब देखा।

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें -

i) पुनरुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाएँ-
रातों-रात, पुष्प-पुष्प, हरे-हरे

ii) 'वसंत' शब्द का पर्यायवाची नहीं है-

मधुमास, ऋतुराज, कुसुमाकर, प्रसून

iii) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखें -
क) जिसका कभी अंत न हो
ख) जिसका आदि न हो

प्रश्न 6. 'पहाड़ी स्थल की यात्रा' पर निबंध लिखें।

प्रश्न 7. 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता हेतु आप क्या-क्या प्रयास कर सकते हैं?

कक्षा 8

2 - लाख की चूड़ियाँ

सीखने के संप्राप्ति: H803, H807, H808, H809, H818, H820

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

रज्जो ने चार-पाँच आम अंजुली में लेकर मेरी ओर बढ़ा दिए।आम लेने के लिए मैंने हाथ बढ़ाया तो मेरी निगाह एक क्षण के लिए उसके हाथों पर ठिठक गई। गोरी-गोरी कलाइयों पर लाख की चूड़ियाँ बहुत ही फब रही थी।

बदलू ने मेरी दृष्टि देख ली और बोल पड़ा, यही आखिरी जोड़ा बनाया था जमींदार साहब की बेटी के विवाह पर। दस आने पैसे मुझको दे रहे थे। मैंने जोड़ा नहीं दिया कहा, शहर से ले आओ।

i) लेखक की निगाह का रज्जो की कलाई पर ठिठकने का क्या कारण था?

ii) बदलू ने लेखक को रज्जो की चूड़ियों के विषय में क्या कहा?

iii) “आखिरी” शब्द का विपरीत शब्द लिखें।

iv) ‘व्यक्तित्व’ शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए।

प्रश्न 2. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या परिवर्तन आया? कहानी के आधार पर लिखें।

प्रश्न 3. बदलू की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन करो।

प्रश्न 4. ‘नगदी रहित (Cashless) अर्थव्यवस्था’ का क्या लाभ है?

प्रश्न 5. प्रश्नों के उत्तर दें -

(i) नीचे लिखे वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटिए और उसका भेद लिखें -

क) सागर की गहराई मापना आसान नहीं।

ख) चारों ओर हरियाली छाई थी।

ग) महात्मा ने लोगों को अहिंसा का मार्ग दिखाया।

घ) बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था।

(ii) "आम" शब्द के पर्यायवाची लिखें।

(iii) "पैतृक" शब्द को वाक्य प्रयोग करें।

प्रश्न 6. ‘काँच’ बड़ा खतरनाक होता है, बदलू ने ऐसा क्यों कहा होगा? लिखें।

प्रश्न 7. लेने-देने की प्रक्रिया में इंटरनेट के योगदान का वर्णन करें।

प्रश्न 8. मुहावरों का प्रयोग कर वाक्य बनाओ- मन मोह लेना, शरीर ढलना, हाथ कटना।

प्रश्न 9. ‘विज्ञान के महत्त्व पर’ अनुच्छेद लिखें।

कक्षा 8

3 - बस की यात्रा

सीखने के संप्राप्ति : H802, H804, H8012, H8013, H8020

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें –

हम आगा-पीछा करने लगे। डॉक्टर मित्र ने कहा - "डरो मत, चलो! बस अनुभवी है। नई-नवेली बसों से ज्यादा विश्वसनीय है। हमें बेटों की तरह प्यार से गोद में लेकर चलेगी।" हम बैठ गए जो छोड़ने आए थे, वह इस तरह देख रहे थे जैसे अंतिम विदाई दे रहे हैं। उनकी आँखें कह रही थीं - "आना-जाना तो लगा ही रहता है। आया है, सो जाएगा- राजा, रंक, फकीर। आदमी को कुछ करने के लिए एक निमित चाहिए।"

i) डॉक्टर मित्र ने बस के बारे में क्या कहा?

ii) लेखक को छोड़ने आए मित्र उसे विदाई कैसे दे रहे थे?

iii) "आना-जाना तो लगा ही रहता है। आया है, सो जाएगा- 'राजा रंक फकीर' - आशय स्पष्ट कीजिए।

iv) 'मित्र' शब्द का पर्यायवाची निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है-
(क) दोस्त ख) सखा ग) मीत घ) मनुष्य

v) "विश्वास करने योग्य" वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखें।

vi) "अंतिम" शब्द का विलोम लिखें।

प्रश्न 2. (i) अपने फायदे के लिए दूसरों की जान जोखिम में डालना क्या उचित है? 'बस की यात्रा' पाठ के आधार पर लिखें।

(ii) बस अड्डे के दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में करें।

(iii) किसी घटना को जाने बिना उस पर अपनी प्रतिक्रिया क्यों नहीं देनी चाहिए?

प्रश्न 3. (i) मुहावरों का प्रयोग कर वाक्य बनाओ-
(क) जान हथेली पर लेकर चलना ख) बाहें पसारना ग) कूच करना

(ii) 'उम्मीद' शब्द का वर्ण-विच्छेद करें।

(iii) निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर विराम चिहन लगाएँ-
(क) हमने उनसे पूछा यह बस चलती भी है बोले चलती क्यों नहीं है जी अभी चलेगी हमने कहा
(ख) वही तो हम देखना चाहते हैं अपने आप चलती है यह हाँ जी और कैसे चलेगी

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में कारक छाँटें -
(क) नदियाँ पर्वतों से निकलती है।
(ख) पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

प्रश्न 4. (i) लेखक ने गंतव्य तक पहुँचने की उम्मीद क्यों छोड़ दी थी? स्पष्ट कीजिए।

(ii) प्रकृति लुभावनी होती है परंतु लेखक को वह डरावनी क्यों लग रही थी?

प्रश्न 5. अपने क्षेत्र में फैली गंदगी की ओर ध्यान दिलाते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखो।

प्रश्न 6. 'मेरे जीवन का लक्ष्य' विषय पर अनुच्छेद लिखें।

कक्षा 8

4 - दीवानों की हस्ती

सीखने के संप्राप्ति : H803, H808, H809, H816, H819, H823

प्रश्न 1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निशानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।
अब अपना और पराया क्या?
आबाद रहें रुकने वाले!
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बंधन तोड़ चले।

i) “हम भिखमंगों की दुनिया में” पंक्ति में ‘भिखमंगों’ शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है?

ii) काव्यांश में निहित संदेश को स्पष्ट करें।

iii) ‘असफलता’ शब्द में मूल शब्द लिखें।

iv) ‘हम एक निशानी-सी उर पर’ पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

प्रश्न 2. ‘दीवानों की हस्ती’ कविता का सार अपने शब्दों में लिखें।

प्रश्न 3. हम देश की प्रगति में अपना योगदान कैसे दे सकते हैं?

प्रश्न 4. स्वाधीनता सेनानियों को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा? विचार करें।

प्रश्न 5. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) ‘आलम’ शब्द का पर्यायवाची लिखें।

ii) ‘स्वच्छंद’ शब्द का वर्ण-विच्छेद करें।

iii) ‘उल्लास’ शब्द का अर्थ लिखें।

iv) ‘असफलता’ का विलोम शब्द लिखें।

v) ‘छककर’ शब्द को वाक्य में प्रयोग करें।

प्रश्न 6. ‘समाज सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है’ अनुच्छेद लिखें।

प्रश्न 7. यदि आपका प्रिय मित्र आपको छोड़कर चला जाए तो आप पर क्या बीतेगी?

कक्षा 8

5 - चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

सीखने के संप्राप्ति : H802, H805, H810, H813, H819

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

वास्तव में पत्र दस्तावेज से कम नहीं है। पंत के 'दो सौ पत्र बच्चन के नाम' और 'निराला' के पत्र हमको लिख्यौ' है कहा' तथा 'पत्रों के आइने में दयानंद सरस्वती' समेत कई पुस्तकें आपको मिल जाएँगी। कहा जाता है कि प्रेमचंद खासतौर पर नए लेखकों को बहुत प्रेरक जवाब देते थे तथा पत्रों के जवाब में वह बहुत मुस्तैद रहते थे। इसी प्रकार नेहरू और गांधी को लिखे गए रविंद्र नाथ टैगोर के पत्र भी बहुत प्रेरक हैं। 'महात्मा और कवि' के नाम से महात्मा गांधी और रविंद्र नाथ टैगोर के बीच सन् 1915 से 1914 के बीच के पत्राचार का संग्रह प्रकाशित हुआ है, जिसमें बहुत से नए तथ्यों और उनकी मनोदशा का लेखा-जोखा मिलता है।

i) 'पत्रों के जवाब में वह बहुत मुस्तैद रहते थे' - प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
ii) महात्मा गांधी और रविंद्र नाथ टैगोर के पत्राचार से क्या पता चलता है?
iii) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर पत्र को किस से कम नहीं आंका जा सकता है?
iv) 'लेखा-जोखा' शब्द का विग्रह लिखें।
v) 'महात्मा' शब्द का संधि-विच्छेद करें।

प्रश्न 2. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) आधुनिक संचार-साधनों के विकास से 'पत्र-लेखन' विधा पर क्या प्रभाव पड़ा और उसके क्या परिणाम हुए?
ii) क्या आज भी ऐसे कुछ स्थान हैं, जहाँ लोग पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते हैं?
iii) डाकपाल को अपने क्षेत्र के डाकिए की प्रशंसा करते हुए पत्र लिखें।
iv) तमाम सरकारी विभागों की तुलना में सबसे ज्यादा गुडविल डाक विभाग की है, ऐसा क्यों कहा जाता है?

प्रश्न 3.

लेटरबक्स में पड़ी हुई चिट्ठियाँ
अनंत सुख-दुख वाली अनंत चिट्ठियाँ
लेकिन कोई किसी से नहीं बोलती
सभी अकेले-अकेले
अपनी मंजिल पर पहुँचने का इंतजार करती हैं।
कैसा है यह एक साथ होना
दूसरों के साथ हँसना न रोना
क्या हम भी

लेटरबक्स की चिट्ठियाँ हो गए हैं।

- उपरोक्त पंक्तियों में कवि लेटरबॉक्स में पड़ी चिट्ठियों के माध्यम से किन सामाजिक समस्याओं की ओर संकेत कर रहा है? अपने विचार व्यक्त करें।

प्रश्न 4. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) 'आधुनिकतम' शब्द से प्रत्यय अलग कर मूल शब्द लिखें।

ii) 'हवेली' शब्द का वचन बदलें।

iii) 'अजीबो-गरीब' का अर्थ लिखें।

iv) 'महा+आत्मा' संधि करें।

v) शब्द का शुद्ध रूप लिखें - सन्यासी, परशासक।

कक्षा 8

6 - भगवान के डाकिए

सीखने के संप्राप्ति: H801, H803, H809, H811, H812, H813

प्रश्न 1. काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

सूरज दादा का संदेश, धरती तक पहुँचाती धूप।
सारे दिन यह हँसती गाती, शाम ढले छिप जाती धूप।
कभी ठिठुराती इस धरती को, किरणों से नहलाती धूप।
और कभी गुस्सा हो जाती, लू से हमें सताती धूप।
पर्वत की ऊंची चोटी पर, मंद-मंद मुस्काती धूप।
नदियों के बहते पानी में, लहरों के संग गाती धूप।
धरती के कोने-कोने को, सोने-सा चमकाती धूप।
सारा जग आलोकित कर दो, सीख हमें सिखाती धूप।

i) धूप, सूरज दादा का संदेश किसके पास पहुँचाती है?
ii) धूप हमारे ऊपर क्या-क्या प्रभाव डालती हैं?
iii) धूप हमें क्या सीख देती है?
iv) उगते सूरज को देखने के क्या लाभ हैं? अपने अनुभव लिखें।

प्रश्न 2. आपके आंगन में लगे पेड़ पर पहली बार फल लगे हैं, और कई तरह के पक्षियों की चहचहाहट से घर में बड़ी रौनक है। अपना सुखद अनुभव मित्र को पत्र द्वारा साझा करो।

प्रश्न 3. कवि के अनुसार पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं। वे क्या संदेश देते हैं?

प्रश्न 4. मोबाइल और इंटरनेट के अधिक उपयोग ने मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक बैठक को नष्ट किया है, कैसे?

प्रश्न 5. बादल कैसे बनते हैं?

प्रश्न 6. पर्यायवाची शब्द लिखो - पाँख, सौरव, देश, पक्षी।

प्रश्न 7. सामासिक शब्दों का विग्रह लिखें - महादेश, रसोईघर, राजा-रंक, नवरत्न।

कक्षा 8

7 - क्या निराश हुआ जाए

सीखने के संप्राप्ति : H803, H805, H808, H809, H810, H815, H818

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें –

नैतिकता क्या है? नैतिक मूल्य नियम है जिन्हें तोड़ने पर कोई दंडित तो नहीं करता लेकिन व्यक्ति के अंतर्मन की ध्वनि ही उसे कचोटती है कि उसने जो किया है वह गलत है अर्थात् नैतिकता का भाव किसी पर थोपा नहीं जाता वह स्वयं ही व्यक्ति के मनोभावों से जागृत होता है। लाल बत्ती पर चलते वाहन को रोकना कानूनी नियम है, जिसे तोड़ने पर दंड भुगतना पड़ेगा। किसी अंधे को सड़क पार करवाना मनुष्य के मन से उठने वाला नैतिक भाव है, क्योंकि यदि उसे सड़क ना भी पार करवाई जाए तो वह किसी से कुछ कहेगा नहीं बल्कि स्वयं ही रास्ता टटोलता रहेगा। आज के सामाजिक वातावरण में नैतिकता का स्तर गिरता जा रहा है। लोग मानवीय भावनाओं को भूलते जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि भ्रष्टाचार, रिश्वत, बेईमानी बढ़ती जा रही है। भाई-भाई को मारने से कतराता नहीं, माता-पिता की सेवा का भाव समाप्त हो रहा है। प्रेम, दया, करुणा परोपकार का भाव समाज से समाप्त होता जा रहा है। आज यदि हमें अपने देश की संस्कृति का झंडा देश में सबसे ऊँचा फहराना है, तो लोगों को महात्मा गांधी, मदर टेरेसा, विनोबा भावे के चारित्रिक गुणों को अपनाना होगा व आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाना होगा।

i) नैतिक मूल्यों को भूलने का क्या परिणाम हो रहा है?
ii) किन लोगों के गुणों को अपनाने की आवश्यकता है?
iii) नैतिकता क्या है? इसकी जरूरत क्यों है?
iv) ‘मानवीय’ शब्द से प्रत्यय और मूल शब्द अलग करके लिखिए।
v) ‘करुणा’ शब्द का विलोम लिखें।

प्रश्न 2 . प्रश्नों के उत्तर दें -

i) हमारे समाज से अभी भी मानवीय मूल्यों का ह्रास नहीं हुआ है। लेखक ने अपनी बात को सिद्ध करने के लिए क्या-क्या तर्क दिए हैं?
ii) सहनशीलता का अभाव आक्रोश को जन्म देता है। आप इस बात से कहाँ तक सहमत हैं? चर्चा करें।
iii) “आपके सपनों का भारत कैसा हो” अनुच्छेद लिखें।
iv) अखबार के अतिरिक्त अन्य कौन-से साधन है जिससे आप समाज में घटित घटनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं? लिखें।

प्रश्न 3. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) विराम चिह्न लगाओ-

(क) उसने आते ही कहा अड्डे से बस लाया हूँ इस बस पर बैठिए वह बस चलाने लायक नहीं है।

(ख) कैसे कहूँ कि मनुष्यता एकदम समाप्त हो गई है कैसे कहूँ के लोगों में दया माया रह ही नहीं गई

ii) मुहावरों का प्रयोग कर वाक्य बनाओ-

बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, चेहरे की हवाइयाँ उड़ना, रस लेना, पर्दाफ़ाश करना

प्रश्न 4. आस्था और अंधविश्वास में क्या अंतर है? चर्चा करें।

प्रश्न 5. शब्दों के अर्थ लिखें - उद्घाटित, विद्यमान।

कक्षा 8

8 - यह सब से कठिन समय नहीं

सीखने के संप्राप्ति : H803, H805, H808, H809, H814, H816, H818

प्रश्न 1. काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें -

अभी भी भीड़ है स्टेशन पर
अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है,
गंतव्य तक
जहाँ कोई कर रहा होगा प्रतीक्षा
अभी भी कहता है कोई किसी को
जल्दी आ जाओ कि अब
सूरज डूबने का वक्त हो गया।

i) प्रस्तुत काव्यांश का सरलार्थ करें।
ii) रेलगाड़ियाँ यात्रियों को कहाँ पहुँचाती हैं?
iii) 'गंतव्य' शब्द का अर्थ लिखें।
iv) 'प्रतीक्षा' शब्द का पर्यायवाची लिखें।

प्रश्न 2. 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता हमे क्या संदेश देती है?

प्रश्न 3. आपके अनुसार कठिन समय कौन-सा हो सकता है। चर्चा करें।

प्रश्न 4. "मन के हारे-हार है, मन के जीते-जीत" सूक्ति पर अपने विचार लिखें।

प्रश्न 5. निम्नलिखित काव्यांश के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है, समझ कर अपने शब्दों में लिखें –

"बाधाएँ आती हैं आएँ
घिरे प्रलय की घोर घटाएँ
पाँव के नीचे अंगारे
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ
निज हाथों से हँसते-हँसते
आग जलाकर जलना होगा
कदम मिलाकर चलना होगा"

प्रश्न 7. मान लो आप अंतरिक्ष की यात्रा पर गए हैं, वहाँ आपने क्या-क्या देखा और अनुभव किया?

प्रश्न 8. देश की सीमायों की रक्षा के लिए खड़े सैनिकों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता होगा? क्या "यह उनके लिए सबसे कठिन समय होता होगा", लिखें।

प्रश्न 9. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाएँ - प्रतीक्षा, सदियों, सामने।

ii) विलोम शब्द लिखें - उदय, कठिन, पक्ष, संयोग।

iii) इन विभक्ति चिह्नों का वाक्य में प्रयोग कर कारक भेद लिखें - को, का, के लिए, में, आह!

कक्षा 8

9 - कबीर की साखियाँ

सीखने के संप्राप्ति : H803, H806, H807, H809, H818

प्रश्न 1. निम्न पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें -

माला तो कर में फिरै, जीभि फिरै मुख माँहि।
मनुवाँ तो चहुँ दिसि फिरें, यह तो सुमरिन नाहि।

i) इन पंक्तियों में किस पाखंडपूर्ण भक्ति का उल्लेख किया गया है?
ii) मन के बारे में कबीर जी ने क्या कहा है?
iii) 'कर' शब्द का अर्थ लिखें।

प्रश्न 2. "कबीर घास न नींदिए, जो पाऊँ तलि होइ।
उड़ि पड़ै जब आँखि मैं, खरी दुहेली होइ॥"
- उपरोक्त काव्यांश से कबीर जी क्या शिक्षा देना चाहते हैं ?

प्रश्न 3. पढ़ते समय आपका मन इधर-उधर भागता है, मन को एकाग्र करने के लिए आप क्या करेंगे? लिखें।

प्रश्न 4. हमें किसी के व्यक्तित्व के बाह्य पक्ष को महत्व देना चाहिए या उसके आंतरिक पक्ष को, तर्क सहित उत्तर दें।

प्रश्न 5. कबीर के अतिरिक्त अन्य कवियों के नाम लिखें, जिन्होंने नीतिपरक दोहे लिखे हैं।

प्रश्न 6. कौन-से मानवीय गुण हैं जिनके द्वारा विश्व एक 'कुटुम्ब' बन सकता है?

प्रश्न 7. क) उपसर्ग लगाकर दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखें - साध, ज्ञान, मोल, एक।
ख) निम्नलिखित शब्दों के मानक रूप लिखो-
साध, गारी, माहि, मनुवाँ, तरवार, सुमिरन, पाऊँ, दुहेली, सीतल।

प्रश्न 8. कबीर की भाषा को सधुक्कड़ी क्यों कहा जाता है? लिखें।

कक्षा 8

10 - कामचोर

सीखने के संप्राप्ति – H807, H811, H822, H823

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मानव जीवन संघर्षों की खान है। विघ्न बाधाओं के झंझावात उसे हमेशा परेशान करते रहते हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को परस्पर सहयोग की आवश्यकता होती है। यह मित्रता के द्वारा ही संभव है। इसलिए हर व्यक्ति का कोई ना कोई सच्चा मित्र होता है। आज के युग में सच्चा मित्र वही होता है, जो मित्र के दुख-सुख के साथ सहानुभूति दर्शाता है। उसे कुमार्ग से बचाकर सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उसके अब गुणों पर पर्दा डालकर दूर करने की कोशिश करता है और अच्छाइयों की प्रशंसा करता है। आज स्वार्थपरता का युग है। ऐसे समय में सच्चा मित्र मिल जाना सौभाग्य की बात है। सच्चा मित्र हमेशा अपने मित्र को प्रगति के सोपान पर चढ़ा देखना चाहता है।

i) मानव को परस्पर सहयोग की आवश्यकता क्यों है?

ii) सच्चा मित्र कौन है?

iii) सच्चा मित्र हमेशा क्या कामना करता है?

iv) शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें - संघर्ष, विघ्न, सहानुभूति, स्वार्थपरता

प्रश्न 2. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) अम्मा ने अब्बा को क्या चुनौती दी?

ii) बच्चों के कारण घर में क्या तूफ़ान आया?

iii) 'हिलकर पानी नहीं पीते' - पंक्ति का क्या आशय है?

iv) 'कामचोर' पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

v) क्या आपको लगता है कि इस पाठ में बच्चों की भावनाओं से खिलवाड़ किया गया है?

प्रश्न 3. 'अनुभव और अभ्यास' दक्षता हेतु अनिवार्य है, कैसे?

प्रश्न 4. आधुनिक समय में स्नेह और सुरक्षा के नाम पर माँ-बाप बच्चों को अपाहिज बना रहे हैं और उनमें कामचोरी की आदत घर कर गई है। आप इस बात से कहाँ तक सहमत है? तर्क सहित उत्तर दें।

प्रश्न 5. सहपाठियों का सहयोग लेते हुए अपने विद्यालय को स्वच्छ बनाने के लिए आप क्या प्रयास करेंगे?

प्रश्न 6. मुहावरों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाओ -

शाही फ़रमान जारी होना, बेदम होना, टूट पड़ना, बागी होना।

प्रश्न 7. उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके लिखिए-

हरगिज़, कामदानी, मुगलानी, शिकारी, बेधुली, लापरवाह।

प्रश्न 8. लिंग बदलो-

नौकर, मटका, अब्बा, बच्चा

कक्षा 8

11 - जब सिनेमा ने बोलना सीखा

सीखने के संप्राप्ति : H802, H808, H809, H814, H819, H821

प्रश्न 1. गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें –

"सवाक् सिनेमा के नए दौर की शुरुआत कराने पर निर्माता अर्देशिर इतने विनम्र थे कि जब 1956 में 'आलम आरा' के प्रदर्शन के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर उन्हें सम्मानित किया गया और उन्हें 'भारतीय सवाक् फिल्मों का पिता' कहा गया तो उन्होंने उस मौके पर कहा था, "मुझे इतना बड़ा खिताब देने की जरूरत नहीं है। मैंने तो देश के लिए अपने हिस्से का जरूरी योगदान दिया है।"

i) अवतरण में अर्देशिर के किस गुण की चर्चा की गई है?

ii) "मुझे इतना बड़ा...... योगदान दिया है" इन पंक्तियों के द्वारा अर्देशिर क्या कहना चाहते हैं?

iii) प्रत्यय छाँटिए - भारतीय, सम्मानित, पारिश्रमिक, हिंदुस्तानी।

iv) सवाक्, सनाथ शब्दों की तरह 'स' लगाकर चार और शब्द बनाइए।

प्रश्न 2. आधुनिक फिल्मों में पुरानी फिल्मों की अपेक्षा क्या बदलाव आए हैं? चर्चा करें।

प्रश्न 3. सही (✓) या गलत (X) बताएँ-

i) 'आलम आरा' देश की पहली सवाक् फिल्म नहीं थी। ☐

ii) 'आलम आरा' फिल्म 'अरेबियन नाटक' जैसी फेंटेसी फिल्म थी। ☐

iii) 'भारतीय सवाक् फिल्मों के पिता' राजकपूर थे। ☐

iv) 'आलम आरा' के बाद फिल्में पूरी तरह बंद हो गई। ☐

v) 'खुदा की शान' फिल्म में एक किरदार गांधीजी जैसा था। ☐

प्रश्न 4. वाक्य मे प्रयोग कीजिए-
अनोखा, चयन, कृत्रिम, पार्श्वगायक।

प्रश्न 5. 'वर्तमान सिनेमा में नैतिक मूल्यों का ह्रास' विषय पर अनुच्छेद लिखें।

प्रश्न 6. अपनी पाठ्य-पुस्तक 'वसंत' भाग - 3 में पृष्ठ संख्या 65 से 'कंप्यूटर गाएगा गीत' लेख को पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

कक्षा 8

12 - सुदामा चरित

सीखने के संप्राप्ति : H804, H807, H809, H814, H816, H818, H819, H822

प्रश्न 1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें-

"कै वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत।
कै पग में पनही न हती, कहँ लै गजराजहु ठाढ़े महावत॥
भूमि कठोर पै रात कटै, कहँ कोमल सेज पै नींद न आवत।
कै जुरतो नहि कोदो सवाँ, प्रभु के प्रताप ते दाख न भावत॥"

i) 'कै जुरतो नहि कोदो सवाँ' पंक्ति के द्वारा कवि किसके विषय में क्या कह रहा है?
ii) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो -
पनही, छानी, ठाढ़े, जुरतो, दाख, महावत
iii) सुदामा ने अपनी झोंपड़ी में क्या बदलाव देखा?

प्रश्न 2. 'करुना करिकै करुना निधि रोये' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. सुदामा और कृष्ण की दोस्ती की मिसाल दी जाती है। किसी ऐसी आदर्श दोस्ती की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 4. "वह पुलकनि, वह उठि मिलनि, वह आदर की बात।
वह पठवनि गोपाल की, कछू न जानी जात।।
हौं आवत नाहीं हुतौ, वाही पठयो ठेलि।
अब कहिहौं समुझाय कै, बहु धन धरौ सकेलि॥"

- रेखांकित वर्णों /शब्दों की ह्रस्व (इ) और ह्रस्व (उ) का विशेष ध्यान रखते हुए कविता पाठ करो।

प्रश्न 5. 'सुदामा चरित' का सार अपने शब्दों में लिखो।

प्रश्न 6. अपने मित्र को जन्माष्टमी के अवसर पर आमंत्रित करते हुए पत्र लिखो।

प्रश्न 7. राधा-कृष्ण पर कोई भजन अथवा लोकगीत लिखो।

कक्षा 8

13 - जहाँ पहिया है

सीखने के संप्राप्ति – H803, H806, H807, H814, H818

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

साइकिल चलाने के बहुत निश्चित आर्थिक निहितार्थ थे। इससे आय में वृद्धि हुई है। यहाँ की कुछ महिलाएँ अगल-बगल के गाँवों में कृषि संबंधी अथवा अन्य उत्पाद बेच आती हैं। साइकिल की वजह से बसों के इंतजार में व्यय होने वाला उनका समय बच जाता है। खराब परिवहन व्यवस्था वाले स्थानों के लिए तो यह बहुत महत्वपूर्ण है। दूसरे, इससे इन्हें इतना समय मिल जाता है कि यह अपने सामान बेचने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर पाती हैं। तीसरे, इससे यह और अधिक इलाकों में जा पाती हैं। अंतिम बात है कि साइकिल प्रशिक्षण से महिलाओं के अंदर आत्मसम्मान की भावना पैदा हुई है।

i) साइकिल चलाने का आर्थिक निहितार्थ क्या था? इससे क्या फ़ायदा हुआ?
ii) साइकिल कैसे स्थानों के लिए महत्वपूर्ण है?
iii) महिलाओं में साइकिल प्रशिक्षण से कौन-सी भावना पैदा हुई?
iv) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके लिखे - निश्चित, आर्थिक, महत्वपूर्ण, केंद्रित, प्रशिक्षण।
v) सधि-विच्छेद करें - निहितार्थ, व्यवस्था।

प्रश्न 2. प्रश्नों के उत्तर दें -

i) प्रशिक्षण केंद्र से आप क्या समझते हैं?
ii) साइकिल आंदोलन के प्रशंसक कौन-कौन थे?
iii) महिलाओं द्वारा साइकिल चलाने के विषय में पुरुषों के क्या विचार थे?
iv) पुडुकोट्टई जिले की महिलाओं का साइकिल चलाना सामाजिक आंदोलन कैसे बन गया?

प्रश्न 3. आत्मनिर्भरता व्यक्तित्व के विकास में किस प्रकार सहायक है?

प्रश्न 4. पहिये की खोज ने मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका कैसे निभाई? चर्चा करें।

प्रश्न 5. कामकाजी महिलाओं की दिनचर्या गृहिणी की दिनचर्या से किस प्रकार भिन्न है? क्या वह दोहरा उत्तरदायित्व निभाती है? सोच कर लिखें।

प्रश्न 6. सामासिक शब्दों का विग्रह करके समास का नाम लिखो-

दोपहर, घिसी-पिटी, सीखने-सीखने, हक्का-बक्का, त्रिवेणी

प्रश्न 7. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखो-

i) जो सबसे अधिक हो

ii) नया-नया साक्षर

iii) मन को रमने वाला

iv) उत्पाद करने वाला

प्रश्न 8. 'जब मैंने पहली बार साइकिल चलाई' अपना अनुभव लिखें।

कक्षा 8

14 - अकबरी लोटा

सीखने के संप्राप्ति : H805, H811, H814, H822

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

'परोपकार' का शाब्दिक अर्थ है, पर+उपकार अर्थात् दूसरों की भलाई। वास्तव में, परोपकार की भावना एक स्वाभाविक भावना है, जिसकी प्रेरणा हमें प्रकृति से ही प्राप्त होती है। नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती, वृक्ष अपना फल स्वयं नहीं खाते, सूर्य अपनी ऊर्जा एवं उष्मा अपने लिए नहीं बचाता आदि ना जाने कितने उदाहरण है, जो हमें दूसरों के लिए जीना सिखाते हैं। किसी भी समाज में मानवीय मूल्यों का होना नितांत आवश्यक है अन्यथा समाज अधिक देर तक टिक नहीं सकता। मानवीय मूल्यों को बनाए रखने का सार-बिंदु है - 'परोपकार की भावना'। इसी भावना के कारण हम दूसरे मनुष्य के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनकी भलाई के बारे में सोचते हैं। यही तो मानवीयता है और इसे बनाए रखना परोपकार की भावना से ही संभव है। आज चारों तरफ स्वार्थ की भावना प्रबल है जो किसी भी समाज के लिए विनाशकारी है। इस लिए हमारा कर्तव्य है कि हम परोपकार की भावना का अधिक से अधिक प्रसार करें।

i) मानवीय मूल्यों का विकास क्यों जरूरी है?
ii) वर्तमान समय में कौन-सी भावना समाज के लिए विनाशकारी बन जाएगी?
iii) मानवीयता क्या है?
iv) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दें।
v) 'खातिर' किस प्रकार का शब्द है? (उत्पत्ति की दृष्टि से)

प्रश्न 2. किसने, किससे कहा?

i) 'सप्ताह' से आपका तात्पर्य सात दिन से है या सात वर्ष से?"
ii) "नहीं, मेरी समझ में 'ही इज डेंजरस क्रिमिनल'"
iii) "मेरे पास है तो नहीं पर मैं कहीं से माँग-जाँचकर लाने की कोशिश करूँगा।"

प्रश्न 3. अंग्रेज को ऐतिहासिक चीजों के संग्रह का शौक था। आप किन चीजों का संग्रह करना चाहेंगे और उनके लिए क्या प्रयास करेंगे?

प्रश्न 4. यदि बिलवासी बुद्धिमता से काम ना लेता तो लाला झाऊलाल की गति बड़ी दयनीय होती। विषम परिस्थितियों में बाहुबल अधिक उपयोगी है अथवा बुद्धिबल। चर्चा करें।

प्रश्न 5. नूरजहाँ के किस भोलेपन पर जहाँगीर निछावर हो गया था?

प्रश्न 6. बुजुर्गों ने पानी पीने के क्या नियम बताएँ हैं?

प्रश्न 7. लाला झाऊलाल के हाथ से लौटा गिरने पर क्या हुआ? विस्तार पूर्वक लिखें।

प्रश्न 8. रिक्त स्थानों की पूर्ति मुहावरे द्वारा कीजिए -

(आँखों से ओझल होना, तिलमिला उठना, उधेड़बुन में लगना, चारों खाने चित)

i) पत्नी की बात सुनकर लाला जी __________________ उठे।

ii) श्याम पहलवान ने दूसरे पहलवान को __________________ कर दिया।

iii) वह ___________________ में था कि इस प्रश्न का जवाब क्या हो सकता है।

iv) रेलगाड़ी धीरे-धीरे ____________________ गई।

प्रश्न 9. 'मित्र वही जो मुसीबत में काम आए' अनुच्छेद लिखें।

कक्षा 8

15 - सूरदास के पद

सीखने के संप्राप्ति : H804, H811, H816

प्रश्न 1. काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

जब-जब छुपकर वार करेगा, तब-तब वह मुस्कुराएगा।
बैठ सामने चारण बनकर, गुण जी भर कर गाएगा॥
दौर मुसीबत का जब होगा, साथ रहेंगे बेगाने।
वह अपनों का लगा मुखौटा, दूर कहीं छुप जाएगा॥
घाव लगे तनमन पर लाखों, बैरी मरहम ला देंगे।
उसके वश में जितना होगा, उतना नमक लगाएगा॥
इस बस्ती में बैठ कर प्यारे, प्यार वफ़ा की बात ना कर।
बंजर दिल कि इस धरती पर, उपवन कौन खिलाएगा॥
अपनी चादर कितनी मैली, समय नहीं जो देख सके।
उजली चादर जिनकी दिखती, उस पर दाग लगाएगा॥

i) छुपकर वार करके मुस्कुराने वाला व्यक्ति कौन हो सकता है?
ii) मुसीबत पड़ने पर अक्सर क्या होता है?
iii) 'अपनी चादर कितनी मैली, समय नहीं जो देख सके' - आशय स्पष्ट करें।

प्रश्न 2. दूरदर्शन पर देखे गए धारावाहिक के माध्यम से श्री कृष्ण के जीवन की किसी घटना का उल्लेख करें।

प्रश्न 3. 'सूरदास के पद' में पहले पद का सार अपने शब्दों में लिखो।

प्रश्न 4. 'गोरस' से आप क्या समझते हैं? दूध पीने के पक्ष में आपको घर वाले क्या-क्या प्रलोभन देते हैं?

प्रश्न 5. 'शरारत करने पर दंड देना उचित है या अनुचित' अपने विचार लिखिए।

प्रश्न 6. प्रश्नों के उत्तर दें -
i) 'दुपहर दिवस' व 'ढूँढी-ढँढोरि' में कौन-सा अलंकार है?
ii) पाठ की भाषा कौन-सी है?
iii) 'नागिन - सी' व 'पचि-पचि''में प्रयुक्त अलंकार बताओ।

प्रश्न 7. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो-

मैया, दूध, चोटी, सखी।

प्रश्न 8. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो-

i) जो पका हुआ ना हो
ii) गाय का रस
iii) हल को धारण करने वाला

प्रश्न 9. दूध बेचने वाली कंपनी के लिए विज्ञापन तैयार करें।

प्रश्न 10. व्यायाम का महत्व बताते हुए मित्र को पत्र लिखें।

कक्षा 8

16 - पानी की कहानी

सीखने के संप्राप्ति : H802, H803, H806, H808, H818

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

'बाँध' नहर अथवा नदी पर जल के प्रवाह को रोकने का एक अवरोध है तथा इसको कई प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा सकता है। बाँध लघु, मध्यम तथा बड़े हो सकते हैं। बड़े बांधों का निर्माण करना अधिक जटिल होता है। इनमें अत्यधिक कार्य, शक्ति, समय व धन की आवश्यकता होती है। इनका निर्माण कंक्रीट, चट्टानों, लकड़ी अथवा मिट्टी से भी किया जा सकता है। भाखड़ा बाँध, सरदार सरोवर, टिहरी बाँध इत्यादि बड़े बाँधों के उदाहरण है। एक बाँध की इसके पीछे के पानी के भार को वहन करने की क्षमता अत्यावश्यक होती है। बाँध पर धकेले जाने वाली जल की मात्रा को जल-दाब कहते हैं। जल-दाब जल की गहराई के साथ बढ़ता है।इसके परिणामस्वरूप कई बाँधो का तल चौड़ा होता है। जिससे यह सतह के काफी नीचे भाग में बहने वाले जल का भार वहन कर सके।

वर्षों से बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण में वृद्धि तथा कृषि में विस्तार होने से जल की मांग बढ़ती जा रही है। अतएव जल संरक्षण आज की आवश्यकता बन गई है। वर्षा जल संचयन मुख्यत भवनों की छतों पर इकट्ठा करके भूमि में संरक्षण करके आगे काम में लेने की प्रक्रिया है।

i) बड़े बाँधों का निर्माण करना अधिक जटिल क्यों होता है?

ii) बाँध का निर्माण क्यों किया जाता है?

iii) जल-दाब किसे कहते हैं?

iv) 'अत्यावश्यक', 'संरक्षण' का संधि-विच्छेद करें।

प्रश्न 2. प्रश्नों के उत्तर लिखें।

i) पेड़ के विषय में बूंद ने क्या कहा?

ii) पृथ्वी का गर्भ क्यों हिल रहा था?

iii) समुद्र में बूंद ने किन-किन चीजों को देखने का आनंद प्राप्त किया ?

प्रश्न 4. जल को जीवन की संज्ञा क्यों दी गई है? लिखें।

प्रश्न 5. जल संरक्षण क्यों आवश्यक है? चर्चा करें।

प्रश्न 6. जल संरक्षण पर पोस्टर बनाओ।

प्रश्न 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करो-

आश्चर्य का ठिकाना न रहना, सांसत भोगना, आँखों से ओझल होना।

प्रश्न 8. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए-

i) जल में रहने वाला
ii) आग व लावा उगलने वाला स्थान
iii) ग्रह की परिक्रमा करने वाला ग्रह
iv) सौरमंडल का नीला ग्रह

प्रश्न 9. 'प्रदूषण की समस्या' विषय पर निबंध लिखें।

कक्षा 8

17 - बाज और साँप

सीखने के संप्राप्ति – H803, H805, H808, H822

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मेंढ़क ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली,
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं है जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे,
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तब से झाड़ों को क्या हुआ है?
पत्ती हर-एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदियाँ, सो भदभदा गई रे
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे !

i) बरसात में मेंढ़क और चिड़ियों पर क्या असर हुआ?
ii) कवि को ऐसा क्यों लगता है कि मोर और पपीहा बेसुध से हो गए हैं?
iii) शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखो - भगवान, नदी।
iv) शब्दों के तत्सम रुप लिखिए - आम, मोर।
v) शब्दों के अर्थ लिखो - भदभदा, सुध।

प्रश्न 2. प्रस्तुत पाठ में कवि ने नदी के रूप सौंदर्य का वर्णन किस प्रकार किया है?

प्रश्न 3. साँप बाज की तरह आकाश में क्यों नहीं उड़ सकता?

प्रश्न 4. साँप और बाज किसके प्रतीक हैं?

प्रश्न 5. प्रस्तुत पाठ में चतुर व निडर लोगों के विषय में क्या कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखो-

i) घर में रहने वाली औरत साइकिल चलाती है।
ii) मुगल शासन में कौन सी पुस्तक लिखी गई।

प्रश्न 7. ‘पर उपदेश कुशल बहुतेरे” विषय पर अनुच्छेद लिखें।

प्रश्न 8. विलोम शब्द लिखें-

धूप, स्वामी, आखिरी, दुर्गंध, आकर्षण।

कक्षा 8

18 - टोपी

सीखने के संप्राप्ति : H803, H806, H808, H809, H820

प्रश्न 1. गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

"तेरे जैसा ही एक बावरा और था। गवरा बोला", रास्ता चलते-चलते उसे अचानक एक दिन पड़ा हुआ चाबुक मिल गया। चाबुक था बड़ा उम्दा और लचकदार, किसी घुड़सवार के हाथ से छूटकर गिर गया होगा। चाबुक हाथ लगते ही वह बावरा चीखने लगा- ' चाबुक तो मिल गया, बाकी बचा तीन- घोड़ा-लगाम-जीन'। अब ये तीनों तो रास्ते में पड़े मिलने से रहे। सब काम-धंधा छोड़ वह बावरा ताउम्र यह रटता रहा- बाकी बचा तीन-घोड़ा-लगाम-जीन गवरा उसे समझाते हुए बोला, " इस रूई के फाहे से लेकर टोपी तक का सफर तुझे कुछ अता पता है?"

i) बावरे को रास्ते में क्या मिला और वह कैसा था?

ii) बावरे ने चीखकर क्या कहा और उसका क्या अर्थ था?

iii) रुई के फाहे से कपड़े बुनने का सफ़र क्या था?

iv) 'उम्दा' व 'ताउम्र' कौन-सी भाषा के शब्द है और उनका क्या अर्थ है?

प्रश्न 2. पोशाक के विषय में गवरे के क्या विचार थे?

प्रश्न 3. गवरइया ने राजा को कैसे चिढ़ाया?

प्रश्न 4. क्या हमें मेहनतकश का मेहनताना पूरा देना चाहिए? कहानी के आधार पर बताओ।

प्रश्न 5. मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करें-

टोपी पहनाना, टोपी उछालना, टोपी सलामत रहना।

प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों से करें-

i) <u>संयोग</u> और ___________________ प्रकृति के नियम है।

ii) जीवन में <u>सुख</u> ________ की स्थिति बनी ही रहती है।

iii) मैंने उसे <u>ईमानदार</u> समझा था, परंतु वह तो _____ निकला।

उपलब्धि पत्रक

(सुझावात्मक)

संकुल (क्लस्टर) क्रमांक	विद्यालय नाम																			
छात्र नाम	अनुक्रमांक					कक्षा														
सीखने की संप्राप्ति विवरण	अप्रैल		मई		जुलाई		अगस्त		सितम्बर		अक्टूबर		नवम्बर		दिसम्बर		जनवरी		फरवरी	
छात्र उपस्थिति ⇨																				
परिमापक ⇩	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड	अंक	ग्रेड
गद्य / पद्य वाचन																				
चर्चा																				
चित्र वर्णन																				
संदर्भ स्थापन																				
वाक्य रचना																				
व्याकरण																				
रचनात्मकता																				
शिल्प सौंदर्य																				

नोट : ग्रेड रिपोर्ट कार्ड के अनुसार